I

Lecture Series No:- 87.

online class.
Date- 23/4/2020
Day- thursday,
Time- 10:40:50 A.M

Topic,

(1.) Primary,

Dr. Sunita Kumari
Depart. of Philosophy,
B.A Part-I
Paper-II (H.)
A.N.D. College Shahpur Patory, Samastipur.

Ans:->

अनुभववादी प्रवर्तक जान लॉक यह मानता है कि मनुष्य का मन एक कोरी पट्टी की भाँति है। लॉक का विश्वास जन्मजात प्रत्ययों में नहीं है। उसका कहना है कि

यदि प्रत्यय जन्मजात होते तो उनका ज्ञान बालकों एवं पागलों को भी होना चाहिए था। लॉक यह भी कहता है कि प्रत्ययों को जन्मजात कहने वाले व्यक्ति आलसी होते हैं। जो उनके विषय में खोज करने के परिश्रम से बचना चाहते हैं और इस हेतु यह मान बैठते हैं कि प्रत्यय जन्मजात होते हैं। दूसरी बात प्रत्ययों का

P.T.O.

जन्म जात मानकर कुछ लोग अन्य व्यक्तियों पर उनका प्रभाव जमाना चाहते हैं। प्रत्ययों को जन्मजात मानने के सिद्धान्त की यह मान्यता है कि मनुष्य के गुण में जन्म से ही कुछ मौलिक प्रत्यय रहते हैं जो जन्मजात के पूर्व ही उसकी आत्मा पर अंकित कर दिये जाते हैं।

होगा कि लोक जन्मजात के प्रत्यय के जिस सिद्धान्त

(i) बालकों एवं मूर्खों में जन्मजात प्रत्यय क्यों नहीं होता — लॉक यह कहता है कि यदि जन्मजात प्रत्यय के सिद्धान्त को मान्यता प्रदान की जाय तो प्रश्न उठता है कि बालकों एवं मूर्खों में जन्मजात प्रत्यय क्यों नहीं होता? यदि कोई सत्य आत्मा में विद्यमान है।

"END"